नव सृजन- सर्वांगीण विकास में साधक एक सार्थक प्रयोग

बच्चों के बौद्धिक, मानसिक , साहित्यिक, भावात्मक , सृजनात्मक, कल्पनाशील सोच , अभिव्यक्ति, पाठन -लेखन कौशलों के विकास के लिए, शिक्षा और सभी विषयों को बेहतर समझने के लिए कविताएं ,कहानी, लेखन, विद्यार्थियों के लिए अत्यंत आवश्यक हैं । संवेदनशीलता, भावुक हृदय, दूरदर्शिता आदि भावों का बीजारोपण बाल्यावस्था से ही हमारे मन, हमारे ज्ञान में प्रस्फुटित होता है। कविता, कला, लेख और कहानी ही वे माध्यम हैं जिसके द्वारा हम वह कह पाते हैं जो हम सोच भी नहीं सकते। फिर हम आत्मसात करते हैं, आत्म चिंतन करते हैं अपने मन को एकाग्र करते हैं तभी कुछ लिख पाते हैं। हमें अपने विद्यार्थियों को शिक्षित होकर जीवन में आत्मनिर्भर होना, बड़े अफसर बनना, धन कमाना, बड़े पदों पर आसीन होना तो सिखाना और देखना है पर साथ ही उनके हृदय में संवेदनाओं का बीजारोपण भी करना है ।

साहित्य एक साधना है जिस प्रकार कला एक साधना है.... यही वजह है जब भी बालक कुछ लिखते हैं या सृजन करते हैं तो वे आनंद का अनुभव करते हैं उनके चेहरे पर खुशी साफ झलकती है। यह विद्यार्थियों की एकाग्र क्षमता का भी विकास करता है और साथ ही समय का सदुपयोग करना भी सिखाता है।विद्यार्थियों को इस बात का पता भी नहीं चलता कि जो कार्य वह कविता, कहानी, लेखन कला के माध्यम से कर रहे हैं उससे उनके कितने सारे कौशल एक साथ उनमें विकसित हो रहे हैं। पर शिक्षक होने के नाते हम सभी इस बात को भली-भांति समझ सकते हैं। तब बाल मन की अनकही-अनसुनी बातें ,उनके मन में चल रही उलझन ,तनाव तक हम पहुंच पाते हैं। उनके जीवन में चल रहे द्वंद को देख पाते हैं ,समझ पाते हैं। उनके चेहरे की मुस्कान के पीछे छिपे उनके दुःख को भी जान पाते हैं। जो हमें ना केवल एक शिक्षक बल्कि उनका हमदर्द, उनका मार्गदर्शक भी बनाता है। फिर पढ़ने-पढ़ाने का सिलसिला सिर्फ स्कूल में शिक्षा ग्रहण करने तक ही सीमित नहीं रह जाता बल्कि अपने शिक्षक के प्रति आदर-सम्मान का भाव लिए एक नेक इंसान के रूप में विद्यार्थियों का जीवन निर्माण होता है। फिर शिक्षा में 'लर्निंग फॉर लिविंग' नहीं बल्कि "लर्निंग फॉर लाइफ" प्रतिबिंबित होता है।

मैं डॉ. शिवा ,अंबाला छावनी हरियाणा में स्थित एक छोटे से गांव समलेहड़ी में गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल समलेहड़ी में ललित कला प्राध्यापिका के रूप में 2019 से अक्टूबर, 2023 तक कार्यरत रही हूं और प्राध्यापिका के साथ-साथ एक संपादिका के रूप में स्कूल के छठी से 12वीं कक्षा के बच्चों को कला की शिक्षा के साथ-साथ साहित्यिक जगत की ओर अग्रसर करते हुए कविताएं, कहानियां एवं लेखन के लिए प्रेरित करती रही हूं।जिसके परिणामस्वरूप विद्यालय के छठी से 12वीं कक्षा के 88 बच्चों की रचनात्मक सोच और भावों की अभिव्यक्ति उनकी स्वरचित 101कविताओं के रूप में हिंदी भाषा में एक काव्य संग्रह शीर्षक "नन्हें पंख" का रूप लेकर फलीभूत हुई । आज़ादी के 75 वें अमृत महोत्सव के उपलक्ष में विद्यालय के ही छठी से 12वीं कक्षा के 75 विद्यार्थियों ने 75 स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन से संबंधित शोध कार्य हिंदी भाषा में किया जो पुस्तक शीर्षक "आज़ादी के नायक" के रूप में प्रकाशित हुई। इन पुस्तकों का संपादन कार्य मेरे द्वारा संपन्न हुआ। हमारे ही विद्यालय के विज्ञान संकाय के 12वीं कक्षा के एक ही छात्र ने 75 स्वतंत्रता सेनानियों के स्कैच स्वयं बनाए जो इस पुस्तक का हिस्सा बने।

विद्यालय की ही "विद्यालय दर्पण पत्रिका" का प्रथम और द्वितीय संस्करण भी सन 2022, 2023 में प्रकाशित किया गया जिसकी प्रधान संपादिका के रूप मेरे द्वारा कार्य किया गया। विद्यालय पत्रिकाओं में सभी कक्षा के विद्यार्थियों ने लेख स्वयं लिखे हैं। विद्यालय पत्रिका में विद्यालय के अनेक स्टाफ सदस्यों तथा 120 से भी अधिक विद्यार्थियों की कविताएं, कहानियां और लेख हिंदी, अंग्रेजी और पंजाबी भाषा में लिखे गए हैं। इन पुस्तकों और पत्रिकाओं को अंबाला जिले एवं शिक्षा सदन पंचकूला के विशिष्ट अधिकारियों, सभी मॉडल संस्कृति विद्यालयों एवं

Edit with WPS Office

अनेक प्राइवेट विद्यालयों के प्रधानाचार्यों , गांव समलेहड़ी के सरपंच , एस.एम.सी मेंबर्स और कई ग्रामीणों को भेंट किए जाने पर उनके द्वारा पुस्तकों के प्रकाशन कार्य तथा विद्यार्थियों के लेखन कार्य की प्रशंसा की गई। इस सृजनात्मक लेखन कार्य की शुरुआत कुछ विद्यार्थियों से हुई थी पर धीरे-धीरे संख्या में बढ़ोतरी होती गई और आज लगभग 270 के करीब विद्यार्थी लेखन कार्य में भागीदार हैं। जो विद्यार्थी पहले मंच पर आने से हिचकिचाते थे आज वे भी अपने भावों की अभिव्यक्ति मंच पर आकर करने लगे हैं। गत वर्ष हमारे विद्यालय के 30 विद्यार्थियों की कविताएं एवं लेख समय-समय पर रेडियो ग्रामोदय स्टेशन 90.4 एफ.एम गोंदर, करनाल से प्रसारित किए गए जिन्हें भारतवर्ष में इस ऐप के द्वारा किसी भी स्थान पर सुना जा सकता है। विद्यार्थियों के द्वारा पूरे उत्साह और जोश के साथ रिकॉर्डिंग के दौरान गर्मी मे पसीने से लथपथ होने पर भी एकाग्र होकर अपने वक्तव्य को कहा गया। विद्यार्थियों द्वारा लिखी गई रचनाओं और उनके द्वारा बनाई गई कलाकृतियों को अंबाला जिले के आदरणीय अनिल विज सर, डी. ई.ओ, डी.ई.ई.ओ , एसडीएम सर और विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्यों द्वारा सराहा गया और ये कलाकृतियां उनके ऑफिस में दीवारों की शोभा को आज भी बढ़ा रहे हैं। जो विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। इसी विद्यालय के पांचवी से 12वीं कक्षा के 175 विद्यार्थियों का हिंदी भाषा में काव्य-संग्रह चाँद-सितारे जनवरी माह, 2024 में प्रकाशित होने जा रहा है। इस काव्य संग्रह में 100 विद्यार्थी ऐसे हैं जो पिछले दो प्रकाशित संग्रह का हिस्सा नहीं थे। ऐसा प्रतीत होता है मानो असंख्य तारे आसमान में अपनी चांदनी बिखेर रहे हैं और दिन प्रतिदिन उनकी संख्या में वृद्धि हो रही है और इस नव सृजन के प्रयोग में राजकीय आदर्श संस्कृत वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय समलेहड़ी ,अंबाला के पूर्व प्राचार्य श्री नरेश कुमार मुद्गल (कार्यकाल : मार्च , 2021 से फरवरी ,2023) साक्षी रहे हैं जिनके सहयोग और मार्गदर्शन से ही यह प्रयोग सार्थक हो पाया।

<u>नव सृजन का बीजारोपण</u> : बीज के अंकुरित हुए बिना वृक्ष की कल्पना ही संभव नहीं। सकारात्मक सोच, नियत एवं निरंतर किए गए प्रयास ही जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता का मार्ग दर्शाते हैं। सन 2021 के मध्यांतर में विद्यालय समलेहड़ी में उस समय के आदरणीय प्रधानाचार्य श्री नरेश कुमार मुद्गल के साथ हुई बातचीत के दौरान सभी स्टाफ सदस्यों की सहमति से विद्यालय की वार्षिक पत्रिका पर संपादिका के रूप में कार्य करने का प्रस्ताव मेरे समक्ष रखा गया। विद्यालय की वार्षिक पत्रिका निकालना हमारे प्रधानाचार्य जी का मात्र एक प्रस्ताव ही नहीं था बल्कि विद्यार्थियों के कौशल स्तर को बेहतर बनाने हेतु उनका पिछले कई वर्षों का सपना भी था जिसे पूरा करने के लिए उन्होंने अपने 30 वर्ष के कार्य क्षेत्र में अनथक प्रयास भी किए थे। अतः इस दिशा में आदरणीय प्राचार्य के मार्गदर्शन एवं सहयोग से आवश्यकतानुकूल कार्यों का प्रारंभ हुआ। एक संपादिका के रूप में भावों तथा शब्दों के साहित्यिक सागर में सृजन की लहरों के बीच मैंने अपनी जीवन नौका को शिक्षा, कला और साहित्य के अनूठे संगम की दिशा में पाया जिसमें मैंने अनेक उतार-चढ़ाव भी देखे जिनके स्मरण मात्र से ही मन आज भी भाव विभोर हो उठता है। पत्रिका के शीर्षक से लेकर इसकी रूपरेखा ,स्टाफ सदस्यों एवं विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त लेखों, विद्यालय की समस्त गतिविधियों का सार सुंदर और संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत करने आदि अन्य सभी बातों पर गंभीरता से विचार कर कार्य किए गए पर यह सफर आसान नहीं था।

<u>नव सृजन की महत्वपूर्ण कड़ी (2021)</u> : विद्यालय की वार्षिक पत्रिका पर कार्य करते हुए नौवीं से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को समय-समय पर अपने साहित्यिक एवं लेखन क्षेत्र के अनुभवों, अपनी बेटी सौम्या के जीवन के उतार-चढ़ाव सुख-दु:ख की घड़ियों में उसके द्वारा लिखी रचनाओं को सुनाकर , कुछ कवियों की सरल भाषा में लिखी कविताएं , कहानियां, प्रेरणादायक घटनाएं सुनाकर एक साहित्यिक माहौल विद्यार्थियों के लिए तैयार किया जिसका परिणाम शीघ्र ही नज़र आने लगा। विद्यार्थियों के उनके जीवन, समाज, घर-परिवार, रिश्तों, पर्यावरण से संबंधित लेख प्राप्त होने लगे। हैरान करने वाली बात यह थी कि लेख से कहीं अधिक विद्यार्थियों की स्वरचित कविताएं उनके मन की खिड़कियों से बाहर झांकने लगी। एक ही महीने में विद्यार्थियों की लिखी 35 कविताएं प्राप्त होने पर जैसे मेरी सोच को नए पंख लग गए हों और मेरे मन मस्तिष्क में एक नए विचार ने उड़ान भरी- 'विद्यालय के विद्यार्थियों

Edit with WPS Office

का स्वयं का काव्य-संग्रह' ।आदरणीय प्रधानाचार्य श्री नरेश कुमार मुद्गल जी से जब इस विषय में बात की तो यह जानकर वे बहुत खुश हुए और सहर्ष इस सृजन कार्य में आशीर्वाद स्वरुप स्वीकृति दी ।पर साथ ही उन्होंने एक बात मुझे स्पष्ट कर दी थी कि विद्यालय पत्रिका के अतिरिक्त धनराशि की व्यवस्था हो पाना विद्यालय के लिए संभव नहीं है । काव्य-संग्रह के प्रकाशन की जिम्मेदारी मैंने स्वयं ले ली। इन नन्हें पंखों के लिए साहित्य का एक नया आसमान छूना मुझे ज़्यादा जरूरी लगा। लेखन का यह सिलसिला फिर थमा नहीं। अब विद्यालय में साहित्यिक प्रकाश का आगमन हो चुका था। अतः छठी से आठवीं कक्षा के विद्यार्थी भी इससे अछूते न रह सके और संपूर्ण विद्यालय माँ सरस्वती के आशीर्वाद से प्रकाशमान हो उठा। जिसके परिणामस्वरूप 18 मई ,2022 को छठी से 12वीं कक्षा के 88 विद्यार्थियों की 101 रचनाओं का काव्य-संग्रह "नन्हें पंख" तथा विद्यालय दर्पण पत्रिका का प्रथम संस्करण (2021-22) साथ- साथ प्रकाशित हुए।

<u>नव सृजन का एक अन्य विशिष्ट रूप पुस्तक "आज़ादी के नायक"(2022)</u>

काव्य संग्रह "नन्हें पंख" के सफल विमोचन के पश्चात लेखन के क्षेत्र में राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय समलेहड़ी अंबाला की एक अन्य अनूठी पहल के रूप में विद्यालय के 75 विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्र की आज़ादी के स्वर्ण जयंती वर्ष (75वां) में आज़ादी के 75 नायकों के ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित एक पुस्तक शीर्षक "आज़ादी के नायक" लिखी गई। जिसमें विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा इन स्वतंत्रता सेनानियों के आज़ादी की लड़ाई में किए गए योगदान का उल्लेख किया है। इसके लिए अनेक पुस्तकालय में उपलब्ध विभिन्न स्त्रोतों एवं पुस्तकों का उपयोग किया गया।

यह कक्षा सातवीं से कक्षा बारहवीं के बच्चों द्वारा एक आरंभिक प्रयास रहा। भविष्य में यही बच्चे भारत के स्वतंत्रता संग्राम की गौरव गाथा पर रिसर्च करने के योग्य बन सकेंगे और साथ ही भारत माता की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त भूतकाल में भारत के शासकों द्वारा हुई गलतियों को समझते हुए उनसे अवगत होते हुए देश को उन्नति के शिखर पर ले जाने में सफल होंगे और अपने भारतीय होने पर गर्व की अनुभूति करेंगे। इसके साथ-साथ प्रत्येक स्वतंत्रता सेनानी का चित्रांकन भी विद्यालय के विज्ञान संकाय बारहवीं कक्षा (2022-23) के विद्यार्थी राजीव द्वारा किया गया । विद्यार्थियों को सृजनात्मक एवं कलात्मक वातावरण में प्रोत्साहित करना एक शिक्षक का परम कर्तव्य है, जो उनकी सकारात्मक सोच, उनके पाठन- लेखन को हर तरह से प्रभावित करने का एक सशक्त माध्यम है । मेरे अंतर्मन के ये भाव मुझे निरंतर विद्यार्थियों के लिए कुछ अलग करने के लिए प्रेरित करते हैं।

समलेहड़ी गांव के इस विद्यालय में माननीय असीम गोयल एम.एल.ए द्वारा ' आज़ादी के नायक' पुस्तक का विमोचन दिनांक 29 .11.22 को किया गया। उन्होंने इस कार्य को एक बहुत बड़ी उपलब्धि बताया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष श्री राजेश बतौड़ा एवं अंबाला जिले के अनेक विशिष्ट अधिकारी, साहित्यकार,सभी मॉडल संस्कृति विद्यालयों के प्रधानाचार्य, समलेहड़ी गाँव के नव निर्वाचित सरपंच एवम् विद्यालय के सभी स्टाफ सदस्य भी सम्मिलित रहे।

दिनांक 4-12-2022 को कुरुक्षेत्र में आयोजित गीता महोत्सव जयंती के अवसर पर हरियाणा ग्रंथ अकादमी के निदेशक डॉ वीरेंद्र सिंह चौहान एवं अन्य प्रतिष्ठित एवं माननीय सदस्यों द्वारा विद्यालय के प्रधानाचार्य, पुस्तक की संपादिका एवं 75 विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह एवं मेडल्स द्वारा सम्मान प्रदान किया गया और विद्यार्थियों के मनोबल को बढ़ाया और साथ ही उन्हें एक नई दिशा में अग्रसर होने के लिए प्रेरित भी किया।

Edit with WPS Office

दिनांक 7.12.22 को राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय समलेहड़ी के प्रधानाचार्य श्री नरेश कुमार मुद्गल एवं स्टाफ सदस्यों द्वारा आज़ादी के नायक' पुस्तक माननीय श्री अनिल विज जी को भेंट की गई। माननीय 'श्री अनिल विज जी द्वारा 12वीं कक्षा के छात्र राजीव को आज़ादी के 75 नायकों का चित्रांकन करने हेतु ₹20,000 की धनराशि पुरस्कार स्वरूप भेंट की गई जो विद्यार्थी राजीव और समस्त विद्यालय के लिए गौरव और हर्ष का विषय बना।

<u>नव सृजन की राह में आई बाधाएं</u>

1. शुरुआत में विद्यार्थियों का अपने भावों की अभिव्यक्ति करने मे हिचकिचाना ।

2. साहित्यिक वातावरण हेतु उचित समय का चयन

3. काव्य संग्रह के कार्य को व्यक्तिगत कार्य का नाम दिया जाना।

4. विद्यार्थियों का कुछ विषय अध्यापकों के भय के कारण साहित्यिक कक्षा में अनुपस्थित रहना ।

5. विद्यालय पत्रिका एवं 'नन्हे पंख' काव्य संग्रह एवं 'आज़ादी के नायक' के प्रकाशन हेतु धनराशि की व्यवस्था।

6. विद्यालय पत्रिका एवं 'नन्हे पंख' काव्य संग्रह एवं 'आज़ादी के नायक' के प्रकाशन कार्य में आई असुविधाएं।

<u>नव सृजन की राह में आई बाधाओं का निवारण :</u>

1. विद्यार्थियों को सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्मानजनक दृष्टिकोण को अपनाते हुए नैतिक मूल्यों की कसौटी पर साहित्यिक जगत से रुबरु करवाना।

2. प्रार्थना सभा से 30 मिनट पहले चयनित कक्षा के छात्र-छात्राओं को विद्यालय में एकत्रित कर साहित्यिक ज्ञान से अवगत करवाना।

3. हमारी सोच ही हमारे प्रयास को सफल और असफल बनाती है।अपने इस साहित्यिक प्रयास को सफल बनाने हेतु विद्यालय के अन्य स्टाफ सदस्यों द्वारा कहीं बातों पर ध्यान न देना।

4. विद्यार्थियों को साहित्यिक जगत के महत्व के विषय में अवगत करवाना।

5. विद्यार्थियों के चेहरे की मुस्कान और उनका हित देखते हुए नव सृजन की राह पर बस चलते जाना क्योंकि जहां चाह वहां राह।

6. आदरणीय प्राचार्य जी द्वारा विद्यालय के एस.डी.एफ फंड से विद्यालय पत्रिका के प्रकाशनार्थ धनराशि की व्यवस्था करना।

<u>सारांश</u>

एक अध्यापक अपने जीवन पर्यंत एक विद्यार्थी ही है। आज एक अध्यापक का कार्य केवल पढ़ने-पढ़ाने तक सीमित नहीं रह गया है बल्कि अध्यापकों द्वारा अपने विषय-पाठन के अतिरिक्त अपनी कला, अपने किसी भी हुनर को विद्यार्थियों तक पहुंचाना, विद्यार्थियों को पढ़ाने के साथ-साथ उन्हें समझना, उनका सम्मान करना , उनके भीतर छिपे हुए गुणों को बाहर निकालना भी जरूरी है। क्योंकि शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों का अच्छे अंक प्राप्त कर ऊंचे

Edit with WPS Office

पद पर आसीन होना ही नहीं है बल्कि उनका सर्वांगीण विकास है ।उन्हें इंसानियत का पाठ पढ़ाना, नैतिक मूल्यों का विकास और उनके व्यक्तित्व में निखार लाना भी है।

एक ललित कला प्राध्यापिका के रूप में जहां मुझे छठी से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों का कला के क्षेत्र में रुझान बढ़ाने और उनके भीतर छिपी हुई प्रतिभा को निखारने का शुभ अवसर मिला वहीं दूसरी ओर एक संपादिका के रूप में विद्यार्थियों को साहित्यिक जगत का प्रतिबिंब दिखा विद्यालय के प्रांगण में ही शिक्षा,कला और साहित्य के अद्भुत संगम के नज़ारे को देखने का सुखद अनुभव भी हुआ। माँ सरस्वती की असीम कृपा और श्री ठाकुर जी के आशीर्वाद स्वरुप मैं विद्यार्थियों के मनोभावों की अभिव्यक्ति एवं अपने ज्ञान अनुभव को उन तक पहुंचाने का माध्यम बन सकी। मुझे खुशी है कि विद्यार्थी अपनी संवेदनाएं व्यक्त कर रहे हैं क्योंकि कला का मूल भाव ही यही है सुख में भी सृजन और दु:ख में भी सृजन.... मुझे उम्मीद है कि वे अपने जीवन की विषम परिस्थितियों में भी अपना अहित किए बिना अपने दु:ख का निवारण ढूंढ ही लेंगे।

नव निर्माण आसान नहीं, बाधाएं भी आती हैं और रुकावटें निराशा भी लाती हैं फिर भी अगर मंजिल को पाना है तो बढ़ते ही जाना है। ये मैंने अपने इन पिछले दो सालों के अनुभव में सीखा है। न जाने कितनी ही मुश्किलें आई और बढ़ी -विद्यालय की वार्षिक पत्रिकाओं ,नन्हें पंख काव्य संग्रह,आज़ादी के नायक पुस्तक और चाँद-सितारे काव्य संग्रह के विचार से लेकर उस पर कार्य करने तक के इस सफर में। कई रातों की नींद गंवा दी। कईं महीनो तक दिन रात जब भी समय मिलता इस कार्य में लगाती। प्रकाशन कार्य से संबंधित बहुत सी मुश्किलों का सामना मैंने अपने अनुभव में किया जिसे शब्दों में कह पाना शायद मेरे लिए आसान भी नहीं। पर इन सब मुश्किलों, रूकावटों के बावजूद मेरा इस कार्य में इतनी दृढ़ता से लगे रहना आगे बढ़ते रहना संभव हो पाया जिसकी वज़ह बच्चों की खुशी, बच्चों के चेहरे पर आई मुस्कान, बच्चों को मिली एक नई पहचान ,बच्चों के जीवन भर उनके साथ रहने वाली उनके भावों को अभिव्यक्त करने की कला सीख जाना, जो जीवन भर उनके साथ रहेगी। बस यही बातें मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा देती रहीं । ये मेरे अंतर्मन की वो अनकही बातें हैं जो बस महसूस की जा सकती हैं शब्दों में कहना शायद कम ही होगा।

सिर्फ उन पलों को याद भर कर लेने से मेरी आंखें नम हो जाती हैं जब बच्चे अपने हाथों में अपनी लिखी कविताओं की पुस्तक या अपने लिखे लेख की पुस्तक लेकर अपने माता-पिता के पास जाते हैं ,जो सुखद अनुभूति उन्हें उस वक्त प्राप्त होती है उससे कहीं ज्यादा मैं महसूस करती हूं मैंने अपने इन अनुभवों में महसूस की है। जो मेरी हिम्मत बढ़ाती हैं कुछ नव सृजन की दिशा में करने के लिए।

ग्रामीण क्षेत्र समलेहड़ी में स्थित,एक सरकारी विद्यालय में एक ही वर्ष में विद्यालय दर्पण पत्रिका का प्रकाशन, 88 विद्यार्थियों द्वारा स्वरचित कविताओं का संग्रह "नन्हें पंख" एवं 75 स्वतंत्रता सेनानियों की जीवनी पर आधारित पुस्तक "आज़ादी के नायक" का प्रकाशन तथा 10 फरवरी, 2023 में विद्यालय दर्पण पत्रिका के द्वितीय संस्करण का प्रकाशन ना केवल अपने आप में एक अनोखी पहल है अपितु समस्त विद्यालयों के विद्यार्थियों में उत्साहवर्धन एवं साहित्य जगत तथा लेखन के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम उठाने हेतु मील का पत्थर साबित होगा ऐसा पूर्व प्राचार्य श्री नरेश कुमार मुदगल जी को पूर्ण विश्वास है।

विद्यार्थियों की रचनाधर्मिता को प्रोत्साहन उनमें संस्कारों के पल्लवन और पुष्ट करने में भी सहायक होगा।साथ ही उनके सर्वांगीण विकास में साधक बन कर उनके व्यक्तित्व को सम्पूर्णता प्रदान करते हुए उन्हें एक श्रेष्ठ व्यक्ति के रूप में विकसित होने में उत्प्रेरक का कार्य भी करेगा ऐसा मेरा दृढ़ विश्वास है ।

Edit with WPS Office

परिचय

डॉ. शिवा

(ललित कला प्राध्यापिका, कलाकार ,लेखिका, कवयित्री, संपादिका , आर.जे)

जन्म स्थान - अंबाला छावनी

शिक्षा- पी.एच.डी, एम.फिल, एम.ए (शिक्षा-शास्त्र)

- बी.एड, आर्ट एंड क्राफ्ट डिप्लोमा, एम.ए, नेट, एचटेट (ललित कला)

पूर्व अध्यापिका गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल समलेहड़ी, ब्लॉक साहा ,

अंबाला, (2019-2023)

अक्टूबर, 2023 से ललित कला प्राध्यापिका, डाइट मोहड़ा (4297), अंबाला जिला,हरियाणा में कार्यरत

प्रकाशित पुस्तकें

1. एकल काव्य-संग्रह शीर्षक "सम-भाव"(2019),

2.एकल पुस्तक शीर्षक- "चित्रभाषा: स्मार्ट शिक्षण कला "(2020) हरियाणा ग्रंथ अकादमी द्वारा प्रकाशित

3. पुस्तक शीर्षक "भारतीय चित्रकला का इतिहास" (कक्षा ग्यारहवीं) 2022 में सह लेखिका

4. पुस्तक शीर्षक "भारतीय चित्रकला का इतिहास "(कक्षा बारहवीं)2022 में सह लेखिका

(3,4) नंबर पुस्तकें हरियाणा बोर्ड के पाठ्यक्रम से संबंधित हैं।

5. पुस्तक शीर्षक कला दर्पण (नौवीं एवं दसवीं कक्षा) हरियाणा एवं सीबीएसई बोर्ड के पाठ्यक्रम पर आधारित (2023)

संपादित पुस्तकें

1.काव्य संग्रह शीर्षक "नन्हें पंख" 2022

2.पुस्तक "आज़ादी के नायक" 2022

3.विद्यालय दर्पण पत्रिका (प्रथम संस्करण) 2021-22

4.विद्यालय दर्पण पत्रिका (द्वितीय संस्करण)2022-23

5. प्रकाशनार्थ काव्य-संग्रह "चाँद-सितारे"

संपर्क-7056302131

Edit with WPS Office

ईमेल पता- shivaaggarwal1230@gmail.com

Edit with WPS Office

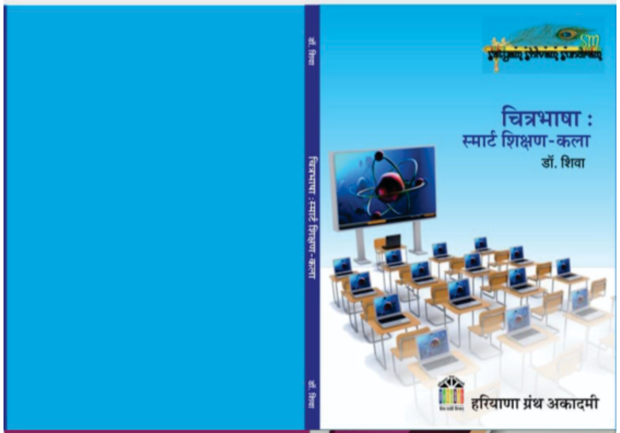

Edit with WPS Office